आओ स्कूल सुरक्षित बनायें

कहानी ● राहुल बी. गवहने एवं डा. सौरभ दलाल

'चैंप्स हाई स्कूल' की गिनती चंपकवन के अच्छे स्कूलों में होती थी. पिछले कुछ वर्षों में चंपकवन में बाढ़, सूखा, आग, भूकंप आदि से बहुत तबाही हुई थी. कुछ दिनों पहले भी सड़क दुर्घटना और जहरीले भोजन की वजह से काफी नुकसान हुआ था.

चंपकवन में रहने वाले अधिकतर जानवरों को ऐसी विपदाओं से बचने के उपायों के बारे में पता ही नहीं था, जिस के कारण उन का नुकसान हुआ था. राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान (एनआईडीएम) जैसी सरकारी संस्था के बारे में जब चैंप्स स्कूल के प्रिंसिपल जंबो को पता चला तो उन्होंने चीकू खरगोश के साथ मिल कर इस संस्था से संपर्क किया, ताकि स्कूल के बच्चों को भी आपदा से बचने के उपायों की जानकारी मिल सके.

स्कूल के निवेदन पर एनआईडीएम ने चैंप्स हाई स्कूल में एक कार्यक्रम रखा, जिस में स्कूल के प्रबंधक, स्टाफ तथा छात्रों के साथसाथ अन्य चंपकवन निवासियों ने भी भाग लिया. इस कार्यक्रम में मोकड्रिल्स (बनावटी कवायद) तथा लैक्चर्स भी हुए. साथ ही सुरक्षा के उपाय, क्या करें, क्या न करें तथा कई आपदाओं के बारे में जानकारियां दी गईं.

इस कार्यक्रम के दौरान कई दुर्घटनाओं के बारे में भी बताया गया. जैसे, कुंबकोनम में लगी आग, स्कूल बस दुर्घटना तथा भुज में आए भूकंप, जिन में असुरक्षित स्कूलों तथा सुरक्षा उपायों की जानकारी के अभाव में स्कूलों के बच्चे भी प्रभावित हुए थे.

प्रिंसिपल जंबो तथा एनआईडीएम की टीम ने स्कूल सुरक्षा की योजना भी बनाई. मोक ड्रिल्स तथा निवासियों को आपदा के दौरान क्या करना चाहिए, क्या नहीं, इस की जानकारी भी दी. उन्होंने बताया कि किसी भी आपदा से बच्चे सर्वाधिक प्रभावित होते हैं इसलिए बच्चों को स्कूल तथा घरों में रहने पर इन आपदाओं से बचने की शिक्षा जरूरी है.

एनआईडीएम के इस कार्यक्रम से स्कूल स्टाफ, टीचर, बच्चे तथा चंपकवन के निवासियों ने सुरक्षा के उपायों को सीखा, ताकि ऐसी विपदाओं से बचने के लिए पहले से तैयारी की जा सके.

इस तरह चंपकवन के वासियों को इस बात की अच्छी जानकारी हो गई कि किसी भी आपात स्थिति या विपदा से पहले, उस दौरान या उस के बाद क्या-क्या करना चाहिए.

प्रिंसिपल जंबो, चीकू तथा सभी छात्रों को भी यह पता चल गया कि चूंकि स्कूल उन का दूसरा घर है, इसलिए इस की सुरक्षा की जिम्मेदारी भी उन की है. उन्होंने एनआईडीएम को 'आपदा प्रबन्धन' को अच्छी तरह समझाने के लिए धन्यवाद दिया. ●

Come Together to Make Schools Safe

By Rahul B. Gavhane & Dr. Saurabh Dalal

Champakvan's most prestigious school was Champs High School where Jumbo, the elephant was the principal. In the past few years, Champakvan had been a victim of floods, drought, forest fires and earthquakes and recently there had been cases of food poisoning and road accidents as well. This affected Champs High School too.

Most of the animals that lived in Champakvan did not know about the precautions and safety measures to be taken during disasters due to which Champakvan had suffered huge losses. Seeing the media coverage of the disaster management activities of government organizations like National Institute of Disaster Management (NIDM), Principal Jumbo and Cheeku, the rabbit from the children's group decided to enroll the school in the awareness programmes and training conducted by NIDM.

At the school's request, NIDM organized a programme at Champs High School, which was attended not only by the school's management, staff and students but all the residents of Champakvan as well. The program included mock drills and lectures by its disaster specialists. Awareness material containing safety tips, do's and don't's and information about different disasters was also distributed.

During the program, disaster specialists also discussed tragedies like the Kumbakonam fire, school bus accidents, the earthquake at Bhuj among others in which school children were affected due to unsafe school buildings and little or no knowledge about safety measures. Principal Jumbo and the team from NIDM also suggested they make a school safety plan, conduct mock drills, and educate the animals about the do's & don'ts to be observed during disasters.

It was recognized that children are the most vulnerable group during disasters and need to be educated about safe and secure environments in school and at home. As a result of NIDM's programme the school's staff, teachers, children and the residents of Champakvan learnt about disasters and the need to be better prepared to face them and stay safe.

Thus, all the residents at Champakvan learnt what to do before, during and after disasters and other emergencies. Prinipal Jumbo, Cheeku and all the students understood that since the school is their second home they need to make it safe. They thanked NIDM for teaching them that to know disasters means no disasters' ●